पूर्वा गोयल

हमारा पैसा।
हमारा हिसाब।

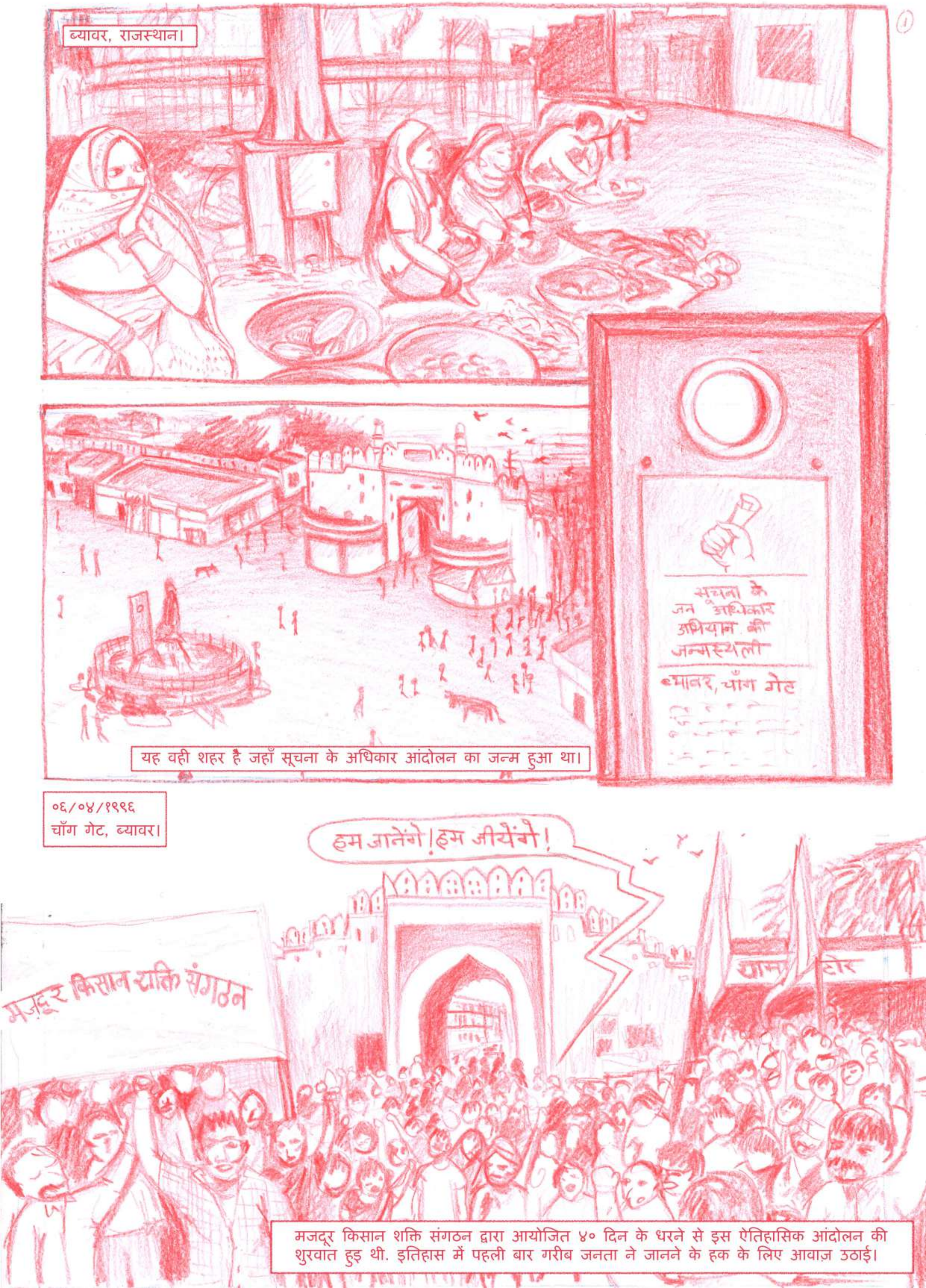
ब्यावर, राजस्थान।
सूचना के
जन अधिकार
अभियान की
जन्मस्थली
चाँग गेट
यह वही शहर है जहाँ सूचना के अधिकार आंदोलन का जन्म हुआ था।
०६/०४/१९९६
चाँग गेट, ब्यावर।
हम जानेंगे! हम जीयेंगे!
मजदूर किसान शक्ति संगठन
मजदूर किसान शक्ति संगठन द्वारा आयोजित ४० दिन के धरने से इस ऐतिहासिक आंदोलन की शुरुवात हुइ थी. इतिहास में पहली बार गरीब जनता ने जानने के हक के लिए आवाज़ उठाई।

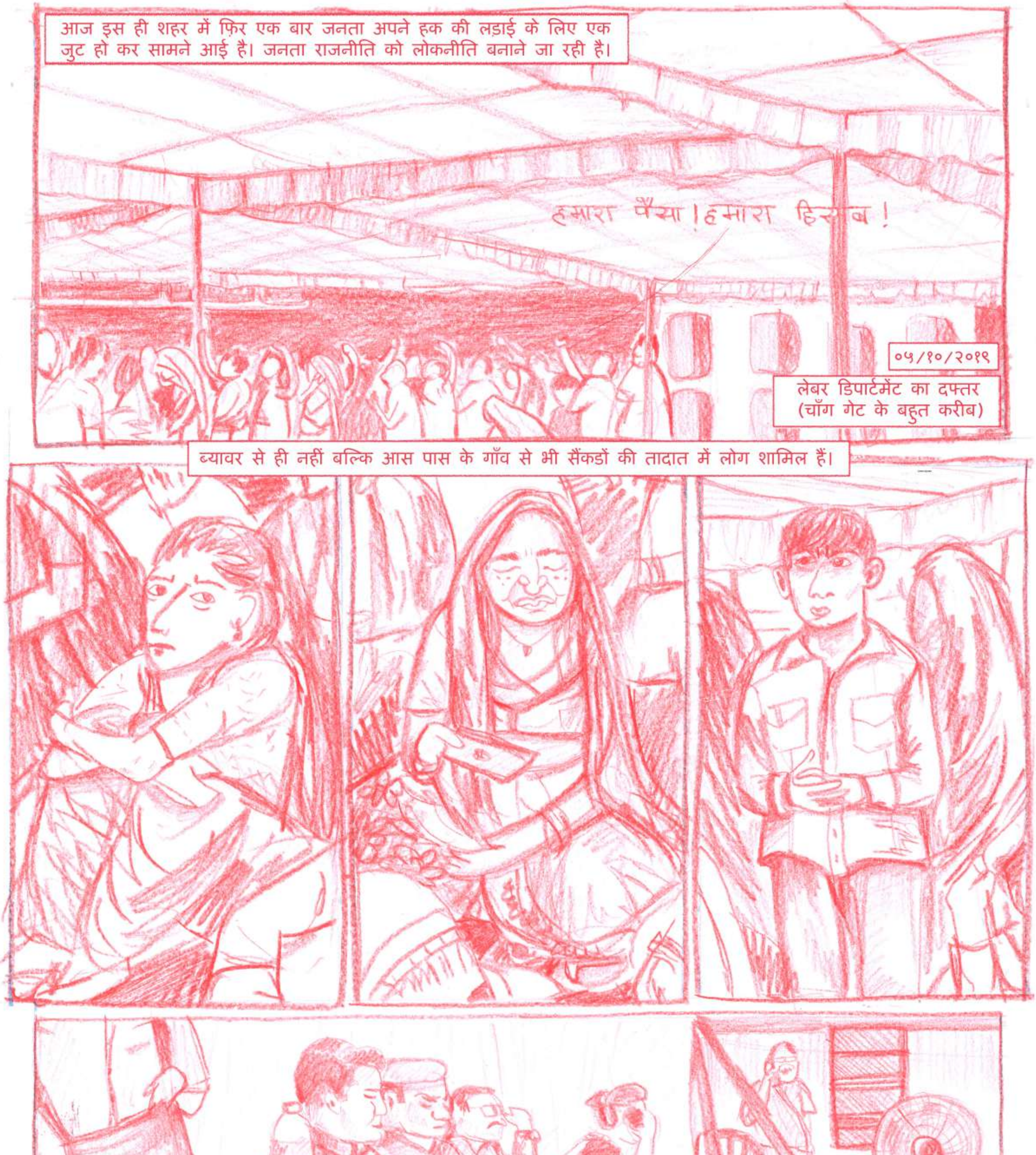

*2004 में राजस्थान सरकार ने ई-गवर्नेंस के ई-मित्रा मंच को स्थापित किया। ई-मित्रा में उपयोगिता बिल भुगतान, एप्लिकेशन और डिजिटल हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र सेवाएं, बैंकिंग, टेली-मेडिसिन, ई-कॉमर्स सेवाएं, आदि शामिल हैं।

धप-धप
मेरे हाथों को ये जानने का हक़ रे
मेरे सपनों को जानने का हक़ रे
क्यूँ सदियों से टूट रहे हैं,
इन्हें सजने का नाम नहीं
क्यूँ बरसों से खाली पड़े हैं,
इन्हें आज भी काम नहीं
मेरे वोटों को ये जानने का हक़ रे
क्यूँ एक दिन बड़े बड़े वादे,
फिर पांच साल काम नहीं।
अब हक़ के बिना भी क्या जीना,
मेरी ज़िंदगी को जीने का हक़ रे
ये जीने के समान नहीं

ज़िंदाबाद।
ब्यावर में पिछले दो सालों से श्रम कल्याण विभाग में सक्षम अधिकारी नहीं था, जिसका खामियाजा हमारी सामने बैठी जनता को उठाना पड़ा।
दस दिन के सामाजिक अंकेक्षण से पता चला है कि
ई- मित्र केंद्रों में दलाल लेबर कार्ड बनाने के ५०० से लेकर ४००० रुपये कमीशन ले रहे हैं।
इन्होंने गरीब जनता को भ्रमित करके लूटने का धंधा चलाया हुआ है। ऐसे एक या दो नहीं, हज़ार से ऊपर लोग हैं जो ये शिकायत करते हैं।
आप में से कितनों ने १४५ रुपयों से अधिक पैसे दिए हैं?
११००
३००
५०००
७००
ये ई-मित्र तो आस्तीन का साँप निकला

जो यहाँ शिकायत दर्ज करवा रहे हैं वो अपना नाम-पता, फोन नम्बर व ई- मेल का नम्बर देना न भूलें।
चिंता न करें। सबकी बारी आएगी।
मैं गाडिया लोहार समुदाय से हूँ।
क्योंकि हम अपना कारीगरी का काम करते हैं हमें नियोक्ता का सर्टिफिकेट नहीं मिल पाता है।
इस कारण हमें लेबर कार्ड मिलने में कठिनाई होती है।
बिना लेबर कार्ड के स्कूल जाने के लिये मुझे छात्रवृति नहीं मिल रही है।
अगर मैं पढ़-लिख न पाऊँगी तो मैं अपने समुदाय के लिए उदाहरण कैसे बन पाऊँगी?
उन्हें कैसे समझा सकूँगी कि वे अपने बेटे-बेटियों को शिक्षा दिलवाएँ?
२०१७ में मैंने शुभ शक्ति योजना का फॉर्म भरा था।वह दो महीने बाद पास भी हो गया था।
किन्तु लाभ की राशी मुझे नहीं पहुँच रही थी।
मैं लेबर डिपार्टमेंट मदद के लिए आई।
तुम्हारा पैसा किसी और के खाते में जा रहा है। इन कागज़ों पर तुम्हारी जगह किसी और की फोटो लगादी गई है।
दस दिन बाद आना।
दस दिन बाद
बीस दिन बाद आना।
बीस दिन बाद
अरे! मैंने तुम्हें यह सब कब कहा?
हम को हमारा हिसाब चाहिए!

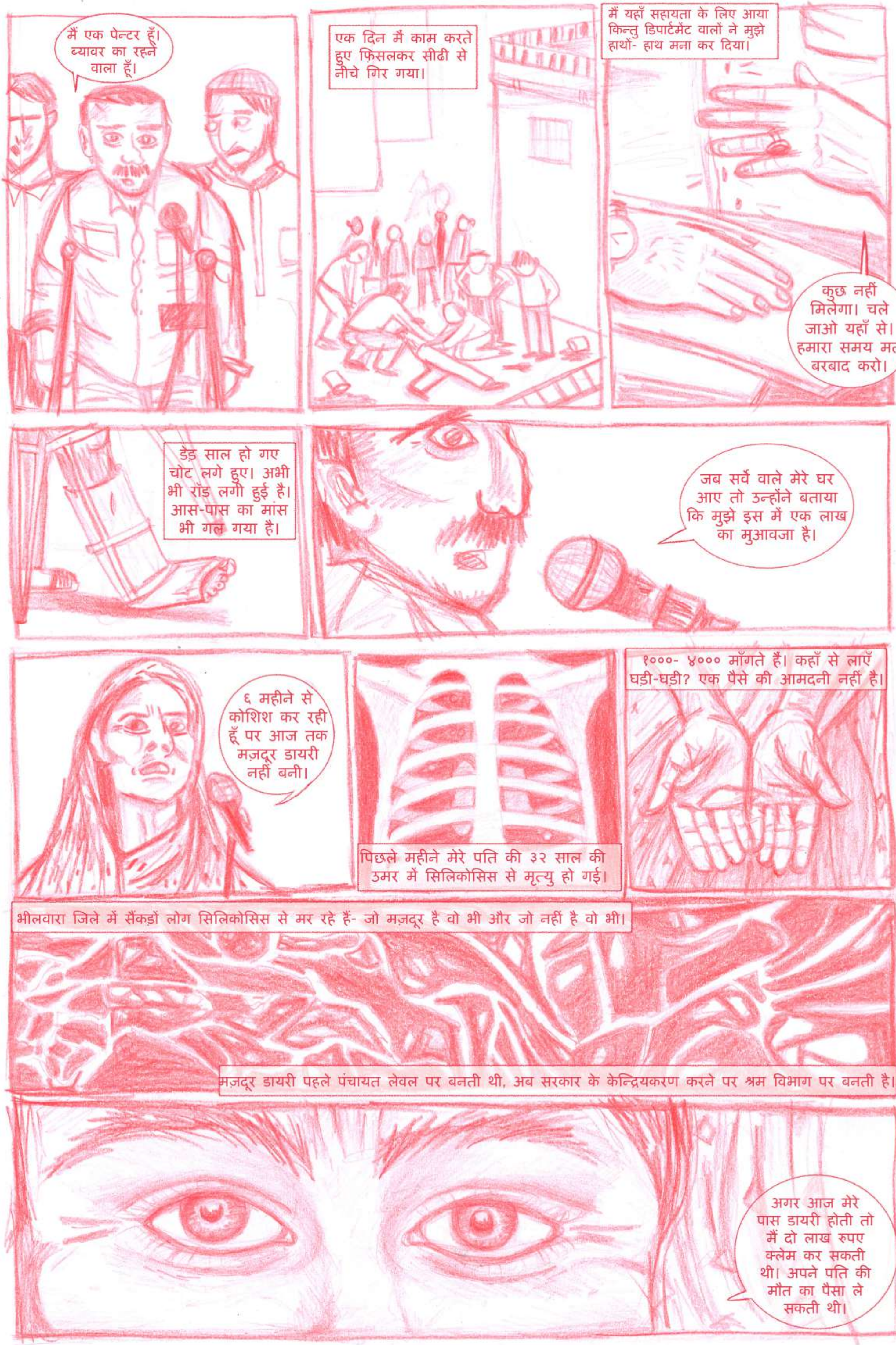

मैं एक पेन्टर हूँ। ब्यावर का रहने वाला हूँ।
एक दिन मैं काम करते हुए फ़िसलकर सीढी से नीचे गिर गया।
मैं यहाँ सहायता के लिए आया किन्तु डिपार्टमेंट वालों ने मुझे हाथों- हाथ मना कर दिया।
कुछ नहीं मिलेगा। चले जाओ यहाँ से। हमारा समय मत बरबाद करो।
डेढ़ साल हो गए चोट लगे हुए। अभी भी रॉड लगी हुई है। आस-पास का मांस भी गल गया है।
जब सर्वे वाले मेरे घर आए तो उन्होंने बताया कि मुझे इस में एक लाख का मुआवजा है।
६ महीने से कोशिश कर रही हूँ पर आज तक मज़दूर डायरी नहीं बनी।
पिछले महीने मेरे पति की ३२ साल की उमर में सिलिकोसिस से मृत्यु हो गई।
१०००- ४००० माँगते हैं। कहाँ से लाएँ घड़ी-घड़ी? एक पैसे की आमदनी नहीं है।
भीलवारा जिले में सैंकड़ों लोग सिलिकोसिस से मर रहे हैं- जो मज़दूर है वो भी और जो नहीं है वो भी।
मज़दूर डायरी पहले पंचायत लेवल पर बनती थी, अब सरकार के केन्द्रियकरण करने पर श्रम विभाग पर बनती है।
अगर आज मेरे पास डायरी होती तो मैं दो लाख रुपए क्लेम कर सकती थी। अपने पति की मौत का पैसा ले सकती थी।

यह हमारी कम नसीबी है कि जब भी सरकार गरीब आदमी के लिए कोई योजना बनाती है, तो उस योजना के बीच में दलाली आ जाती है।
इस वर्ष हम गाँधी जी की १५०वी जयंती मना रहे हैं।
स्वच्छ
भारत
आज उन्हें महज़ चिन्हों के पीछे छिपा दिया गया है।
उन्होंने सत्य के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।
बड़ी हिम्मत का काम होता है गरीब आदमी के लिए माईक के सामने बोलना।
आज कई लोगों में उनकी छवि दिखाई दी। सत्य बोलने के लिए सब निडरता से आगे आए।
साहब यहाँ बहुत लोग कह रहे हैं-"हिम्मत की, बोले भी, शिकायत भी दर्ज करवाई।
कल क्या होगा? कल हमें उन्ही लोगों का सामना करना पड़ेगा।"
क्या आप ज़ोरों से कहेंगे कि कल से ही कारवाही प्रारम्भ होगी?
मेरा सुझाव है कि १ महीने बाद दोबारा कैंप किया जाए।
जिस-जिस ने आज शिकायत दर्ज की है, एक महीने के अंदर हम आपके पते पर चिट्ठी रवाना कर देंगे।
सख्त से सख्त कारवाही की जाएगी। जो गुनेहगार हैं उनके लाइसैंस रद्द किए जाएँगे। बोर्ड और जिलों में भी सामाजिक अंकेक्षण करेगा।
बोर्ड के संयुक्त सिचव
हमारा हिसाब!
हमारा पैसा!

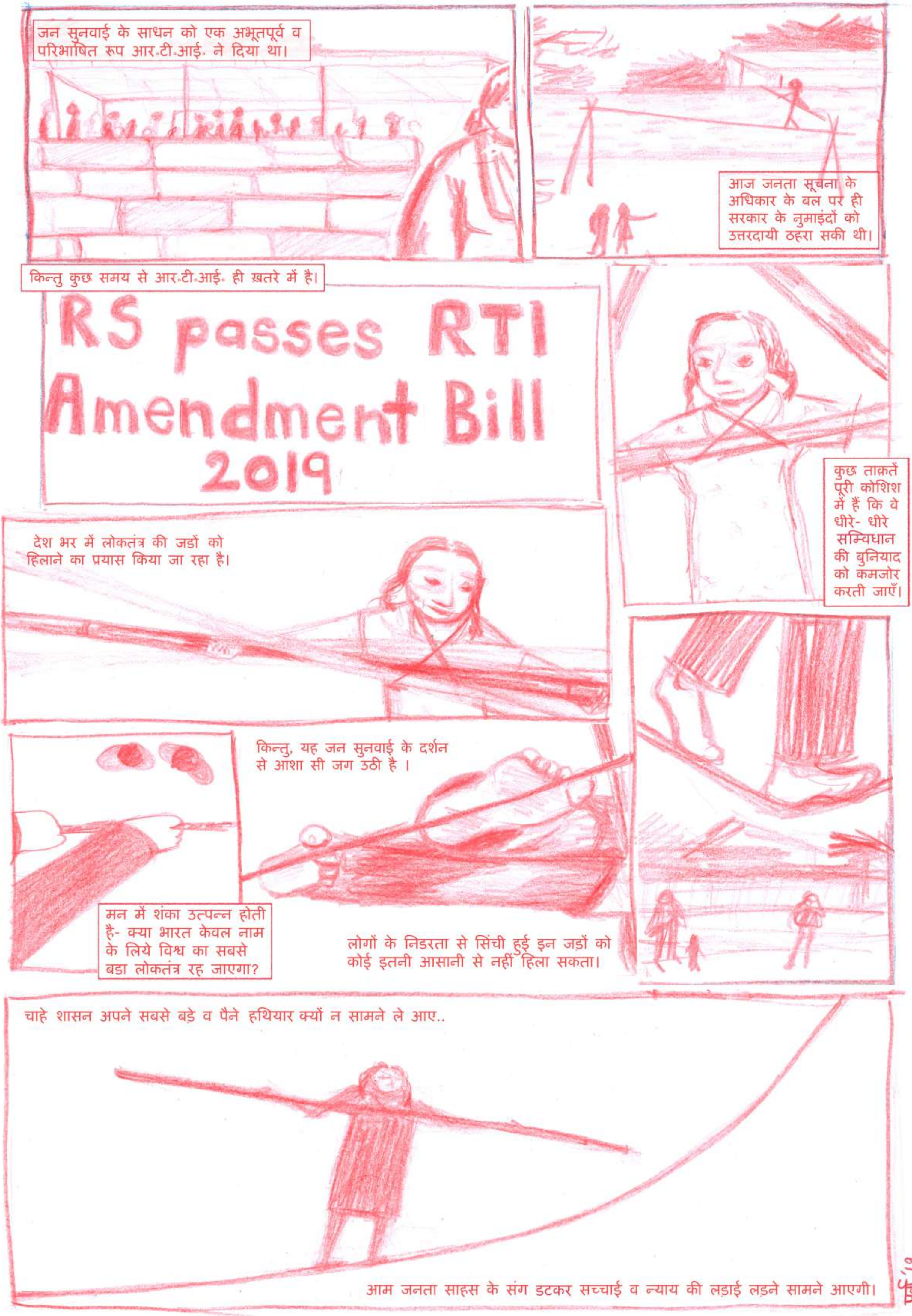
जन सुनवाई के साधन को एक अभूतपूर्व व परिभाषित रूप आर॰टी॰आई॰ ने दिया था।
आज जनता सूचना के अधिकार के बल पर ही सरकार के नुमाइंदों को उत्तरदायी ठहरा सकी थी।
किन्तु कुछ समय से आर॰टी॰आई॰ ही ख़तरे में है।
RS passes RTI Amendment Bill 2019
कुछ ताक़तें पूरी कोशिश में हैं कि वे धीरे- धीरे सम्विधान की बुनियाद को कमजोर करती जाएँ।
देश भर में लोकतंत्र की जडों को हिलाने का प्रयास किया जा रहा है।
मन में शंका उत्पन्न होती है- क्या भारत केवल नाम के लिये विश्व का सबसे बडा लोकतंत्र रह जाएगा?
किन्तु, यह जन सुनवाई के दर्शन से आशा सी जग उठी है ।
लोगों के निडरता से सिंची हुई इन जड़ों को कोई इतनी आसानी से नहीं हिला सकता।
चाहे शासन अपने सबसे बड़े व पैने हथियार क्यों न सामने ले आए..
आम जनता साहस के संग डटकर सच्चाई व न्याय की लड़ाई लड़ने सामने आएगी।

धन्यवाद

मज़दूर किसान शक्ति संगठन

अरुना रॉय

निखिल दे

शंकर सिंघ

सूचना एवं रोजगार अधिकार अभियान

लोकतंत्रशाला, भीम

विकल्प संगम

पारस बंजारा

कल्पवृक्ष

आशीष कोठारी

श्रिष्टि बाजपाई

आर.टी.आई गीत

चारुल भारवाडा

विनय महाजन

सामाजिक अंकेक्षण के प्रतिभागियों की सूचि

सामाजिक अंकेक्षण मुख्य संयोजक - पारस बंजारा (SARU, MKSS, SR अभियान)

क्रम सं	नाम	संस्था/ संगठन
1.	चन्द्रकांता	जागोरी, हिमाचल प्रदेश
2.	अनु	जागोरी, हिमाचल प्रदेश
3.	कुलदेश कुमारी	जागोरी, हिमाचल प्रदेश
4.	रेणु	जागोरी, हिमाचल प्रदेश
5.	सुनीता देवी	जागोरी, हिमाचल प्रदेश
6.	ललिता देवी	जागोरी, हिमाचल प्रदेश जागोरी, हिमाचल प्रदेश
7.	ममता	जागोरी, हिमाचल प्रदेश
8.	जगदीश कुमार	आजीविका ब्यूरो
9.	धनराज	आजीविका ब्यूरो
10.	पूरा राम	आजीविका ब्यूरो
11.	धर्म राज	आजीविका ब्यूरो
12.	अनीता	RTI फेलो
13.	राजेश धोधावत	ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संसथान, ब्यावर
14.	संतोष कुमारी	ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संसथान, ब्यावर
15.	हेमराज बेरवा	ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संसथान, ब्यावर
16.	अमिता	ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संसथान, ब्यावर
17.	रवि त्रिपाठी	ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संसथान, ब्यावर
18.	जगदीप सिंह	ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संसथान, ब्यावर
19.	विकास सिंह	ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संसथान, ब्यावर
20.	मूल चंद शर्मा	ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संसथान, ब्यावर
21.	अनिल शर्मा	ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संसथान, ब्यावर
22.	अनिल दाधीच	ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संसथान, ब्यावर
23.	रिद्धि बनर्जी	टाटा ट्रस्ट
24.	हीरा लाल गहलोत	समता सेनिक दल, फलोदी, जोधपुर
25.	टीकम चंद	समता सेनिक दल, फलोदी, जोधपुर
26.	नरेश मेघवाल	समता सेनिक दल, फलोदी, जोधपुर
27.	पुखराज मेघवाल	समता सेनिक दल, फलोदी, जोधपुर
28.	अनीता सोनी	डेमोक्रेसी फेलो
29.	श्याम लाल	डेमोक्रेसी फेलो
30.	शांति लाल बंजारा	डेमोक्रेसी फेलो
31.	नूर मोहम्मद कलंदर	डेमोक्रेसी फेलो
32.	गजेन्द्र वर्मा	संवेधानिक मूल्य फेलो

33.	तारा सेन	नरेगा फेलो
34.	गोविन्द मनत	नरेगा फेलो
35.	छितरिया लाल	नरेगा फेलो
36.	संजय कुमार	नरेगा फेलो
37.	सेना कुमारी	नरेगा फेलो
38.	गोवर्धन यादव	आस्था, उदयपुर
39.	प्रेम शंकर मीना	आस्था, उदयपुर
40.	राजेंद्र	RCDSS, ब्यावर
41.	रामेश्वर प्रजापति	CFAR, अजमेर
42.	जितेन्द्र	दिशा, अजमेर
43.	तेजपाल	MKSS फेलो
44.	सांवर लाल सालवी	MKSS फेलो
45.	लक्षमण	MKSS फेलो
46.	विक्रम कुमार	जन जागरण शक्ति संगठन, बिहार
47.	रोहित	जन जागरण शक्ति संगठन, बिहार
48.	रविन्द्र कुमार बेरवा	वोलिंयटर, करोली
49.	मनोज कुमार	वोलिंयटर, करोली
50.	प्रवीण कुमार	वोलिंयटर, भरतपुर
51.	योगेश कुमार	वोलिंयटर, भरतपुर
52.	इरफ़ान	वोलिंयटर, टोंक
53.	सुनील कुमार	वोलिंयटर, भरतपुर
54.	केलाश चंद	वोलिंयटर, करोली
55.	लक्षमण मीना	बांसवाडा
56.	भारमा राम	गोडवाड आदिवासी संगठन, बाली, पाली
57.	पूनम	DEF, अलवर
58.	दयाल सिंह	FES
59.	राजू गुर्जर	FES
60.	मोहित	NCCL दिल्ली
61.	दीपक दीक्षित	NCCL दिल्ली
62.	विद्या चोहान	CORO फेलो
63.	शंकर सिंह	MKSS
64.	विनीत	MKSS
65.	अक्षय	,MKSS
66.	कालू राम	MKSS
67.	शुभांगी शुक्ला	MKSS
68.	प्रणवेंदर सिंह	सायकिल, दिल्ली
69.	मोहित सेन	

70.	जय कुमावत	राजस्थान निर्माण एवं जनरल मजदूर यूनियन, जयपुर
71.	अशोक सेन	वोलिंयटर, ब्यावर
72.	भगवान दास	वोलिंयटर,ब्यावर
73.	राम प्रसाद कुमावत	पत्रकार, ब्यावर
74.	जोली	वोलिंयटर,ब्यावर
75.	राम लाल भाट	कठपुतली, कलाकार, देहरादून